



Scan to Read in
Details

जंतर-मंतर जाने के दौरान ममता-केजरीवाल हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ी, पुलिस ने 1,000 लोगों को पकड़ा, एक का सिर फटा



कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर पर आज होने वाले प्रदर्शन को रोकने के लिए प्रशासन पूरी कोशिश कर रहा है। आंदोलन में शामिल होने जा रहे तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों ममता बनर्जी, माणिक सरकार, पी. विजयन को दिल्ली में हिरासत में लिया गया है। इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) फाउंडर अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली एयरपोर्ट पर लाइट से हिरासत में ले लिया गया। यूट्यूबर ध्रुव राठी समेत 1000 समर्थकों को भी पकड़ा जा चुका है। वाहनों को रोकने के लिए सड़कों पर कीलें लगाई गई हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड भी तोड़े। उधर, सीजेपी ने दीपके का पहले से रिकॉर्ड किया वीडियो जारी किया है। इसमें वे कहते हैं कि उनकी हिरासत के बाद आंदोलन को अजिंय शिंदे लीड करेंगे। बता दें कि सीजेपी वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों के आरोप पर मुच्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा और एसआईआर रोकने की मांग कर रही है।

हिरासत में लिए गए दीपक, आशुतोष और सौरव को पुलिस ने अलग-अलग जगह रखा



एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शन के बीच हिरासत में लिए गए दीपक, आशुतोष और सौरव को पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर रखा है। इस घटनाक्रम के बाद मामले ने और तूल पकड़ लिया है। वहीं,

एयरपोर्ट के बाहर सीजेपी समर्थकों के जमा होने की खबर है। प्रदर्शन से जुड़े लोगों की हिरासत और उन्हें अलग-अलग जगहों पर रखे जाने के बीच समर्थकों की गतिविधियां तेज हो गई हैं। एयरपोर्ट के बाहर समर्थकों के जुटने से घटनाक्रम पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

पुलिस की कार्रवाई के बीच समर्थकों की सक्रियता बढ़ी

सीजेपी प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई लगातार चर्चा में है। दीपक, आशुतोष और सौरव को अलग-अलग स्थानों पर रखे जाने की जानकारी सामने आने के बाद समर्थकों के बीच हलचल बढ़ गई है। एयरपोर्ट के बाहर जुटे समर्थकों की आगे की रणनीति और पुलिस की कार्रवाई को लेकर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। हालांकि, तीनों को किन स्थानों पर रखा गया है, उन्हें हिरासत में लेने का आधिकारिक आधार क्या है और एयरपोर्ट पर जुटे समर्थकों की प्रमुख मांगें क्या हैं, इस संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है। फिलहाल, दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शन से जुड़े घटनाक्रम में हिरासत, पुलिस की कार्रवाई और समर्थकों की गतिविधियां प्रमुख मुद्दे बने हुए हैं।

दिल्ली सीजेपी प्रदर्शन : कनाॅट प्लेस गोल चक्कर के पास जुटी भारी भीड़, जमकर नारेबाजी

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शन के बीच विरोध-प्रदर्शन तेज हो गया है। कनाॅट प्लेस के गोल चक्कर के पास बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जमा हो गए और नारेबाजी करने लगे। स्थिति को देखते हुए पुलिस सतर्क हो गई है। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। प्रदर्शनकारियों की बढ़ती भीड़ और लगातार हो रही नारेबाजी के बीच दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस की ओर से भीड़ को नियंत्रित करने और स्थिति पर नजर रखने के लिए कार्रवाई की जा रही है। सीजेपी प्रदर्शन के बीच जंतर-मंतर पर प्रस्तावित रैली और राजधानी के अन्य हिस्सों में होने वाली



गतिविधियों को लेकर भी हलचल बनी हुई है। प्रदर्शन से जुड़े घटनाक्रम के कारण यातायात और सार्वजनिक परिवहन पर संभावित असर को लेकर लोगों की चिंता बढ़ गई है। प्रदर्शन से संबंधित लाइव अपडेट में कुछ मेट्रो स्टेशनों को बंद किए जाने और ट्रेनों के रद्द होने की खबरों का भी उल्लेख है। हालांकि, किन मेट्रो स्टेशनों पर प्रवेश या निकास रोका गया है और कौन-सी ट्रेनें रद्द

हुई हैं, इसकी विस्तृत जानकारी की पुष्टि आवश्यक है। यात्रियों को सलाह है कि यात्रा शुरू करने से पहले मेट्रो और रेलवे की आधिकारिक सूचना जरूर जांच लें। कनाॅट प्लेस जैसे व्यस्त इलाके में प्रदर्शनकारियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी के चलते आसपास के मार्गों पर यातायात प्रभावित होने की आशंका

है। पुलिस की निगरानी के बीच लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौके की स्थिति के अनुसार यात्रा की योजना बनाएं और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। फिलहाल, कनाॅट प्लेस के पास प्रदर्शनकारियों की भीड़, नारेबाजी और पुलिस की हिरासत संबंधी कार्रवाई इस घटनाक्रम के प्रमुख पहलू हैं। प्रदर्शन की स्थिति और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर नजर बनी हुई है।

ममता बनर्जी समेत तीन पूर्व मुख्यमंत्री हिरासत में

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शन के दौरान हालात तनावपूर्ण होने की खबर है। जंतर-मंतर की ओर जा रहे प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर बैरिकेड तोड़ दिए, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 1000 लोगों को हिरासत में लिया। इस घटनाक्रम में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री रहीं

ममता बनर्जी समेत तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों को भी हिरासत में लिए जाने का दावा किया गया है। प्रदर्शनकारियों की बढ़ती भीड़ और बैरिकेड तोड़े जाने की घटना के बाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। राजधानी के संवेदनशील इलाकों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की तैनाती और निगरानी बढ़ाए जाने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि प्रदर्शनकारी

जंतर-मंतर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में लगाए गए बैरिकेड तोड़ने की घटना हुई। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई की और बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लिया। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड किन परिस्थितियों में तोड़े और पुलिस ने हिरासत में लेने से पहले क्या निर्देश दिए थे, इसकी विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है।

कोर्ट के आदेश के बावजूद दिल्ली में बंद रहे मेट्रो स्टेशन, सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शन के दौरान मेट्रो स्टेशनों को बंद रखे जाने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस संबंध में शीर्ष अदालत में अवमानना याचिका दाखिल की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि अदालत के आदेश के बावजूद दिल्ली में कुछ मेट्रो स्टेशन बंद रखे गए। याचिकाकर्ता ने इसे न्यायालय के आदेश की अवहेलना बताते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सीजेपी प्रदर्शन के दौरान दिल्ली में मेट्रो सेवाओं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विवाद सामने आया है। याचिका में दावा किया गया है कि अदालत के निर्देशों के बावजूद मेट्रो स्टेशनों को बंद रखा गया, जिससे आम यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।



याचिकाकर्ता ने इस मामले को गंभीर बताते हुए सुप्रीम कोर्ट से संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच करने और कथित

अवमानना के लिए उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात और सार्वजनिक परिवहन को लेकर कई तरह की चर्चाएं हुई हैं। मेट्रो स्टेशनों को बंद रखने का मामला अब न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बन गया है। हालांकि, अवमानना याचिका दाखिल होने का अर्थ यह नहीं है कि अदालत ने संबंधित अधिकारियों को दोषी ठहरा दिया है।

सुप्रीम कोर्ट की कार्रवाई पर नजर

अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की आगे की कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी। अदालत याचिका में उठाए गए तथ्यों, संबंधित आदेश और अधिकारियों के पक्ष पर विचार कर सकती है। यदि न्यायालय मामले पर सुनवाई करता है, तो यह स्पष्ट हो सकेगा कि मेट्रो स्टेशनों को बंद रखने की कार्रवाई अदालत के निर्देशों के अनुरूप थी या नहीं। फिलहाल, दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शन के दौरान मेट्रो स्टेशनों को बंद रखने को लेकर उठे सवालों के बीच सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अवमानना याचिका ने मामले को नया कानूनी मोड़ दे दिया है।

सीजेपी नेता अभिजीत दीपके की दादी का निधन

क्या मुंबई लौट पाएंगे? हिरासत के बीच परिवार को लेकर चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली। सीजेपीप्रदर्शन से जुड़े घटनाक्रम के बीच नेता अभिजीत दीपके के परिवार से दुखद खबर सामने आई है। उनकी दादी का निधन हो गया है। इस खबर के बाद अब सवाल उठ रहा है कि क्या अभिजीत दीपके अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मुंबई लौट पाएंगे। बताया जा रहा है कि अभिजीत दीपके दिल्ली में प्रदर्शन से जुड़े घटनाक्रम के दौरान हिरासत में लिए गए थे। ऐसे में परिवार में शोक की इस घड़ी में उनकी घर वापसी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि अभिजीत दीपके को मुंबई लौटने का अवसर मिल पाएगा या नहीं। उनकी रिहाई की स्थिति, पुलिस की

आगे की कार्रवाई और यात्रा की परिस्थितियों पर उनकी घर वापसी निर्भर कर सकती है।

हिरासत के बीच परिवार तक पहुंचने की चुनौती

अभिजीत दीपके की दादी के निधन की खबर ऐसे समय आई है, जब वह दिल्ली में छद्म प्रदर्शन से जुड़े मामले को लेकर चर्चा में हैं। परिवार के लिए यह कठिन समय है और ऐसे में उनकी मौजूदगी महत्वपूर्ण हो सकती है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें हिरासत से रिहा किया गया है या नहीं और मुंबई जाने के लिए उन्हें अनुमति की आवश्यकता होगी या नहीं। इस संबंध में पुलिस अथवा संबंधित अधिकारियों की आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।



शारदीय नवरात्र में 11 अक्टूबर को होगी घटस्थापना सुबह 6:03 से 9:56 बजे तक शुभ मुहूर्त



एस.एस.नागपाल

शारदीय नवरात्र में प्रतिपदा तिथि में घटस्थापना एवं देवी पूजा प्रातःकाल शुभ समय माना जाता है यदि किसी कारणवश यह समय उपलब्ध न हो, तो अभिजित मुहूर्त में घटस्थापना करनी चाहिए। घटस्थापना के समय 11 अक्टूबर, रविवार को प्रातःकाल चित्रा नक्षत्र तथा वैधृति योग दोनों ही विद्यमान हैं चित्रा नक्षत्र तथा वैधृति योग को टालने की सलाह दी जाती है, परन्तु इन्हें वर्जित नहीं किया गया है।

घटस्थापना मध्याह्न से पूर्व प्रतिपदा के समय की जाती है। चित्रा नक्षत्र का प्रारम्भ 10 अक्टूबर को रात्रि 09:42 बजे से 11 अक्टूबर को रात्रि 10:32 बजे चित्रा नक्षत्र समाप्त होगा, वैधृति योग का प्रारम्भ 10 अक्टूबर को रात्रि 10:02 बजे से 11 अक्टूबर को रात्रि 09:05 बजे वैधृति योग समाप्त होगा वैदिक द्रिक पंचांग अनुसार घटस्थापना मुहूर्त प्रातः 06:03 से प्रातः 09:56 कर सकते हैं और घटस्थापना अभिजित मुहूर्त दिन में 11:30 से दिन में 12:16 तक श्रेष्ठ है।

लखनऊ में चौथी मंजिल से गिरकर कैफे संचालक की मौत अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम, मां ने गर्लफ्रेंड पर लगाया हत्या का आरोप

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में चौथी मंजिल से गिरकर एक कैफे संचालक की मौत हो गई। घटना के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं, मृतक की मां ने उसके साथ संबंध रखने वाली युवती पर हत्या का आरोप लगाया है। मामले के सामने आने के बाद घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, कैफे संचालक चौथी मंजिल से नीचे गिर गया था। हादसे के बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाने की कोशिश की गई, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। घटना किन परिस्थितियों में हुई और युवक चौथी मंजिल से कैसे गिरा, यह जांच का विषय है। युवक की मौत के बाद उसकी मां ने उसकी गर्लफ्रेंड पर हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया है। परिवार की ओर से लगाए गए इन आरोपों के बाद



जांच के बाद सामने आएगी घटना की सच्चाई

इस मामले में यह पता लगाना महत्वपूर्ण होगा कि युवक किन परिस्थितियों में चौथी मंजिल से गिरा। पुलिस जांच में घटनास्थल के हालात, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की अहम भूमिका हो सकती है। फिलहाल, कैफे संचालक की मौत और उसकी मां द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर मामले की निष्पक्ष जांच महत्वपूर्ण है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों और जिम्मेदारी को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मामले ने गंभीर रूप ले लिया है। हालांकि, वास्तविक वजह को लेकर अभी जांच से जुड़े तथ्यों का सामने आना बाकी है।

लखनऊ में भाजपा महिला मोर्चा ने कांग्रेस कार्यालय का किया घेराव

प्रदर्शन में शामिल महिलाओं को मुद्दे की जानकारी नहीं होने का दावा

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं और नारेबाजी की। हालांकि, प्रदर्शन को लेकर एक दिलचस्प स्थिति तब सामने आई, जब खबर के मुताबिक कुछ महिलाओं से विरोध के मुद्दे के बारे में पूछा गया तो वे स्पष्ट जवाब नहीं दे सकीं। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने महंगाई बढ़ने और रोजगार नहीं मिलने जैसी समस्याओं का जिक्र किया। उनके इन बयानों के बाद प्रदर्शन के उद्देश्य और उसमें शामिल लोगों की मुद्दों को लेकर समझ



पर सवाल उठने लगे। प्रदर्शन के दौरान कुछ महिलाओं ने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही

है और लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। उनके बयानों से स्पष्ट हुआ कि आम जनता से

जुड़े आर्थिक मुद्दे भी उनकी चिंताओं में शामिल हैं। हालांकि, कांग्रेस कार्यालय के घेराव के पीछे

राजनीतिक गतिविधियों के बीच प्रदर्शन चर्चा में

लखनऊ में भाजपा महिला मोर्चा के इस प्रदर्शन ने राजनीतिक हलकों में चर्चा को जन्म दिया है। एक ओर कांग्रेस कार्यालय के बाहर विरोध-प्रदर्शन और नारेबाजी हुई, वहीं दूसरी ओर प्रदर्शन में शामिल कुछ महिलाओं को मुद्दे की जानकारी नहीं होने संबंधी खबर ने भी ध्यान खींचा। फिलहाल, इस घटनाक्रम को लेकर भाजपा महिला मोर्चा और कांग्रेस की ओर से विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया की जानकारी उपलब्ध नहीं है।

भाजपा महिला मोर्चा का आधिकारिक उद्देश्य क्या था और प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा क्या था, इसकी विस्तृत जानकारी उपलब्ध विवरण में स्पष्ट नहीं है।

गुर्जर गैंग ने युवक को लोहे की रॉड से पीटा

लखनऊ में निजी ऑफिस में घुसकर पिस्टल दिखाकर धमकारा, जेल से छूटकर बनाया गैंग

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के बीबीडी थाना क्षेत्र में बुधवार रात गुर्जर गैंग के लोगों ने एक निजी ऑफिस में घुसकर एक व्यक्ति से मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि आदित्य कुमार, अनुज कुमार, शिवा रावत और उनके दो अज्ञात साथियों ने लोहे की रॉड और हॉकी से हमला किया। पीड़ित के मुताबिक, आरोपियों ने पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। शोर मचाने पर आरोपी उन्हें पुल के नीचे ले गए और वहां गोली मारने की धमकी दी। नूरपुर बेहटा निवासी सूबेदार ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि 7 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे वह पुलिस चौकी के पास स्थित अपने निजी ऑफिस से घर जाने की तैयारी कर

रहे थे। तभी आदित्य कुमार और अनुज कुमार पुत्र रामकरन निवासी मिर्दहा खेड़ा मजरा नूरपुर बेहटा, शिवा रावत पुत्र कमलेश रावत निवासी पासिन ढकवा और दो अज्ञात लोग ऑफिस में घुस आए। आरोप है कि सभी ने लोहे की रॉड व हाकी से मारपीट की और पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित के मुताबिक, शोर मचाने पर आरोपियों ने उन्हें पुल के नीचे चलने और वहां गोली मारने की धमकी दी। इसकी जानकारी मिलने पर गांव के लोग पुल के नीचे पहुंचे, जिसके बाद वह सुरक्षित गांव पहुंच सके। सूबेदार का आरोप है कि आरोपी खुद को 'गुर्जर गैंग' के नाम से बताते हैं। उनके मुताबिक, आरोपियों के खिलाफ पहले भी कई लोगों से मारपीट करने समेत अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं। पीड़ित ने आरोप लगाया कि वे चोरी और वसूली जैसी गतिविधियों में शामिल हैं और हाल ही में जेल से छूटकर आए हैं। थाना प्रभारी बीबीडी का कहना है मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच की जा रही है।

खाली प्लॉट में खून से सना मिला युवक का शव

लखनऊ। लखनऊ के बख्शी का तालाब (बीकेटी) इलाके में एक युवक का शव मिलने से खलबली मच गई। बनौर गांव जाने वाली सड़क किनारे खाली प्लॉट में यह शव मिला। शुक्रवार रात करीब 10 बजे रितेश यादव नाम के ब्लड कलेक्शन करने वाले युवक का शव खून से सना पड़ा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शनिवार सुबह मृतक के बड़े भाई रोहित यादव ने इसे हत्या बताते हुए आरोप लगाए। उन्होंने घटना पर शक जताया और मामले की सही जांच की मांग की। हालांकि, हत्या के इन आरोपों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बीकेटी थाना प्रभारी संजय सिंह के मुताबिक, शुरुआती जांच में यह मामला सड़क हादसे का लग रहा है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच से ही मौत की असली वजह साफ हो पाएगी।

रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय में संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। राजाजीपुरम स्थित रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत संविदा एवं आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों ने पूर्ण कार्य बहिष्कार कर धरना-प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने नियमितीकरण में प्राथमिकता, समान कार्य के लिए समान वेतन और कैशलेस चिकित्सा सुविधा समेत कई मांगों को लेकर आवाज उठाई। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने मांग की कि संविदा कर्मचारियों को नियमितीकरण में प्राथमिकता दी जाए और उन्हें समान कार्य के लिए समान वेतन के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। कर्मचारियों ने आयु सीमा में छूट देने तथा आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों के समायोजन की भी मांग की। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें

समय पर वेतन उपलब्ध कराया जाना चाहिए, ताकि उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके अलावा सफाई कर्मचारियों



को आउटसोर्सिंग निगम में शामिल करने और सभी संबंधित कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान करने की मांग भी उठाई गई। धरना-प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समाधान की मांग की। उनकी प्रमुख मांगों में नियमितीकरण में प्राथमिकता, समान कार्य-समान वेतन, आयु सीमा में छूट, समय पर वेतन भुगतान, आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का समायोजन और कैशलेस चिकित्सा सुविधा शामिल हैं।



लखनऊ में 50 से ज्यादा कारें डूबीं, 3 लाख लोग प्रभावित



अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर से बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। राजधानी लखनऊ में लगातार 12वें दिन जलभराव की समस्या से लोगों को जूझना पड़ रहा है। फैजुल्लागंज समेत

कई इलाकों में सड़कें और गलियां पानी में डूबी हैं। घरों के बाहर खड़ी 50 से ज्यादा कारें पानी में डूब गई हैं। बाढ़ से तीन लाख से अधिक लोगों के प्रभावित होने का दावा किया गया है। हालात को देखते हुए गोमती रिवरफ्रंट को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। लखनऊ के फैजुल्लागंज

इलाके में जलभराव के कारण जनजीवन प्रभावित है। कई जगहों पर सड़कों पर नावों की मदद से आवाजाही की जा रही है। वीआईपी इलाकों की सड़कों पर भी पानी भरने की खबर है। स्थानीय लोगों को रोजमर्रा के कामों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

लखीमपुर खीरी में कटान, 13 घर और चार मंदिर नदी में समाए

लखीमपुर खीरी जिले में शारदा नदी के कटान से भी नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 13 घर और चार मंदिर नदी में समा चुके हैं। नदी के किनारे बसे इलाकों में कटान के कारण लोगों को अपने घर और सामान की सुरक्षा की चिंता सता रही है।

प्रदेश के 30 जिलों में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने शनिवार को प्रदेश के 30 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे के दौरान मेरठ और बरेली समेत आठ शहरों में तेज बारिश के साथ ओले गिरने की जानकारी सामने आई है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अनुल सिंह के मुताबिक, प्रदेश के ऊपर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण मौसम में बदलाव आया है। बारिश से पहले से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। लगातार बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर के बीच प्रभावित जिलों में सतर्कता बरतने की जरूरत है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों पर ध्यान देना चाहिए।

गोंडा में घाघरा नदी उफान पर, 7 हजार लोग प्रभावित

गोंडा जिले में घाघरा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। नदी के पानी से आठ गांव प्रभावित हुए हैं और करीब सात हजार लोगों के बाढ़ की चपेट में आने की सूचना है। एल्विन ब्रिज पर नदी का जलस्तर खतरे के निशान से महज 64 सेंटीमीटर नीचे बताया गया है। जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी से आसपास के गांवों में चिंता बढ़ गई है। प्रशासन के सामने प्रभावित आबादी तक राहत पहुंचाने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की चुनौती है। नदी का जलस्तर बढ़ने से निचले इलाकों में स्थिति और बिगड़ने की आशंका बनी हुई है।

डीएम एवं पुलिस अधीक्षक ने मूर्ति विसर्जन स्थल भेला गांव का लिया जायजा

घाट पर साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निर्देश

अमृत उजाला संवाददाता

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने दुर्गा पूजा के दृष्टिगत विकास खण्ड जमुनहा के अन्तर्गत भेलागांव स्थित बरोह पुल विसर्जन स्थल का जायजा लिया तथा मूर्ति स्थल से लेकर विसर्जन मार्ग एवं विसर्जन स्थलों पर सभी तैयारियां पहले से ही दुरुस्त करने के निर्देश दिए, ताकि शान्तिपूर्ण एवं व्यवस्थापूर्ण ढंग से मूर्ति विसर्जन सम्पन्न कराया जा सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने लोगों से मिलकर जानकारी ली तथा विसर्जन के दिन शान्ति एवं सद्भावपूर्ण ढंग से मूर्ति विसर्जन हेतु अपील भी की। जिलाधिकारी ने कहा कि मूर्ति विसर्जन शान्ति एवं सकुशल ढंग से सम्पन्न किया जा सके, इसके लिए मूर्ति

विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के मद्देनजर सभी तैयारियों को निर्धारित समय के अन्दर मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि विसर्जन स्थलों पर साफ-सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था का उचित प्रबन्ध किया जाए। जायजा लेने के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मूर्ति विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये हैं। उन्होंने समस्त थानाध्यक्षगणों को निर्देश दिया है कि विसर्जन स्थलों पर उचित पुलिस बल की तैनाती की जाए, और अराजक तत्वों पर पैनी नजर रखी जाए। पुरुष एवं महिला खुफिया पुलिस बल की भी तैनाती की गई है, जो सम्भावित अराजक तत्वों पर पैनी नजर रखेंगे। विसर्जन के दौरान यदि कोई भी व्यक्ति अमन-चैन में बाधा उत्पन्न करने की कोशिश करते पाया गया तो, उन्हें तत्काल जेल भेजा जायेगा। इस दौरान उपजिलाधिकारी जमुनहा रवि प्रताप सिंह, थानाध्यक्ष सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

लखनऊ में शिक्षक भर्ती-अभ्यर्थियों ने संजय निषाद का आवास घेरा अभ्यर्थियों ने लगाए आरक्षण घोटाले के आरोप, पुलिस ने हिरासत में लेकर इको गार्डन भेजा

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में शनिवार को 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने मत्स्य मंत्री संजय निषाद के आवास का घेराव किया। अभ्यर्थियों ने 'आरक्षण घोटाला' लिखी टोपी पहनी, सीटी बजाई और नारे लगाए। प्रदर्शन करीब 25 मिनट तक चला। इस दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें जबरन हटाया और उनके साथ बर्बरता की। अभ्यर्थियों की मांग है कि 2018 की भर्ती में उन्हें आरक्षण का लाभ दिया जाए। साथ ही 5% छूट के आधार पर संशोधित चयन सूची जारी की जाए। अभ्यर्थियों ने कहा कि वे लंबे समय से नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इस बार उन्हें नियुक्ति मिलेगी या उनकी अर्धी उठेगी। प्रदर्शन के दौरान



अभ्यर्थियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिश की। इसके बाद दोनों के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन में दिव्यांग अभ्यर्थी भी शामिल थे। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, वर्ष 2018 में 68,500 सहायक शिक्षकों की भर्ती निकाली गई थी। इसमें

दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 5% की छूट का प्रावधान था। आरोप है कि इन चारों श्रेणियों के अभ्यर्थियों को इसका लाभ नहीं मिला और सामान्य अभ्यर्थियों के साथ ही परिणाम जारी कर दिया गया। प्रदर्शन कर रहे आशुतोष वर्मा ने कहा कि पिछले 8 साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उनका आरोप है कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण में गड़बड़ी हुई है। राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी आरक्षण में गड़बड़ी की बात मानते हुए नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी मांग है कि आयोग के आदेशों का पालन किया जाए। वर्ष 2018 में भर्ती निकली थी और तभी उन्होंने आवेदन किया था। इसके बाद से नौकरी की उम्मीद में 8 साल से लगातार संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें नौकरी नहीं मिली है। जब तक नौकरी नहीं मिलती संघर्ष चलता रहेगा।

वाराणसी में एयर शो और त्योहारों को लेकर पुलिस अलर्ट विधान परिषद चुनाव के लिए बनेगा त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा

अमृत उजाला संवाददाता

वाराणसी। आगामी एयर शो, दुर्गापूजा, रामलीला और अन्य त्योहारों के साथ विधान परिषद निर्वाचन-2026 को लेकर वाराणसी पुलिस ने सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार, 9 अक्टूबर को पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने राजपत्रित अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी तैयारियां समय से पूरी करने, संवेदनशील स्थलों पर निगरानी बढ़ाने और संबंधित विभागों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। एयर शो के मद्देनजर गंगा घाटों के प्रवेश और निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण, बैरिकेडिंग, पार्किंग, ड्राइविंग जोन और वीवीआईपी आवागमन की व्यवस्था पर विशेष जोर दिया गया। गंगा नदी के दोनों तटों और प्रमुख स्थलों को अलग-अलग जोन व सेक्टर में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी। जरूरत के अनुसार अस्थायी पुलिस



थाने स्थापित करने, पर्याप्त पुलिस बल और संसाधन उपलब्ध रखने तथा संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी करने के निर्देश दिए गए। वीवीआईपी आगमन के लिए हेलीपैड, पार्किंग और वैकल्पिक रूट

व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। आगामी त्योहारों को लेकर पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन में नई परंपरा शुरू नहीं की जाएगी। दुर्गापूजा पंडालों, रामलीला मंचों

और रावण दहन स्थलों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग, प्रवेश-निकास की व्यवस्था और पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर महिला पुलिसकर्मियों की इयूटी लगाने, नियमित पेट्रोलिंग करने और

महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। आयोगों को सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण नहीं करने और यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने में सहयोग करने के निर्देश भी दिए गए। वहीं, विधान परिषद निर्वाचन-2026 की मतदान और मतगणना प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा तैयार करने के निर्देश दिए गए। बैठक में फ्लाइटिंग स्क्वाड टीम (FST), पुलिस बल की तैनाती, स्ट्रांग रूम और मतगणना स्थल की सुरक्षा की समीक्षा की गई। मतपेटियों और बैलेट पेपर के सुरक्षित परिवहन से लेकर स्ट्रांग रूम तक पहुंचाने की प्रक्रिया में निर्धारित प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने को कहा गया। बैठक में अपर पुलिस आयुक्त शिवहरी मीणा, डीसीपी काशी जोन गौरव बंशवाल, डीसीपी वरुणा जोन राजेश कुमार पांडेय, डीसीपी गोमती जोन नीतू समेत अन्य राजपत्रित अधिकारी मौजूद रहे।



एलन मस्क ने मुकेश अंबानी को कहा 'प्रधानमंत्री'

भारत में सैटेलाइट इंटरनेट को लेकर क्यों बढ़ रहा है टकराव?

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया के चर्चित उद्योगपति एलन मस्क और भारत के प्रमुख कारोबारी मुकेश अंबानी के बीच सैटेलाइट इंटरनेट कारोबार को लेकर प्रतिस्पर्धा चर्चा में है। इसी बीच मस्क द्वारा अंबानी को 'प्रधानमंत्री' कहे जाने की टिप्पणी ने इस विवाद को और सुर्खियों में ला दिया है। इस घटनाक्रम ने भारत के तेजी से बढ़ते दूरसंचार और सैटेलाइट इंटरनेट बाजार में दोनों कारोबारी समूहों के हितों को लेकर नई बहस छेड़ दी है। एलन मस्क की कंपनी स्टारलिनक सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करती है। दूसरी ओर, मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो भारत के दूरसंचार बाजार की प्रमुख कंपनियों में शामिल है और सैटेलाइट संचार के क्षेत्र में भी उसकी रुचि है। सैटेलाइट इंटरनेट उन क्षेत्रों में विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है, जहां पारंपरिक मोबाइल नेटवर्क या ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना मुश्किल होता है। भारत जैसे विशाल देश में इस बाजार की संभावनाएं काफी बड़ी हैं। इसी वजह से इस क्षेत्र में कारोबार करने वाली कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा महत्वपूर्ण हो गई है। सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम यानी रेडियो फ्रीक्वेंसी का आवंटन विवाद के प्रमुख विषयों में से एक रहा है। इस बात पर मतभेद रहे हैं कि सैटेलाइट संचार के लिए जरूरी स्पेक्ट्रम का आवंटन प्रशासनिक प्रक्रिया से किया जाए या नीलामी के माध्यम से। स्टारलिनक जैसी कंपनियों का कारोबारी मॉडल पारंपरिक मोबाइल नेटवर्क से अलग है। वहीं, जियो जैसे दूरसंचार ऑपरेटर स्पेक्ट्रम आवंटन और प्रतिस्पर्धा की शर्तों को लेकर अपनी चिंताएं



एलन मस्क और मुकेश अंबानी के हित क्यों टकरा रहे हैं?

दोनों कारोबारी समूहों के हितों में टकराव की मुख्य वजह भारत के इंटरनेट बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करना है। एक तरफ स्टारलिनक वैश्विक सैटेलाइट नेटवर्क के जरिए सेवाएं देने की तैयारी करता रहा है, तो दूसरी तरफ रिलायंस जियो अपने मौजूदा दूरसंचार कारोबार और नई तकनीकों के जरिए बाजार में अपनी पकड़ बनाए रखना चाहता है। हालांकि, दोनों कंपनियों की सेवाओं और तकनीकी व्यवस्थाओं में अंतर है। इसलिए इनके बीच प्रतिस्पर्धा को केवल सीधे मुकाबले के रूप में देखना पूरी तस्वीर नहीं होगी। नियामकीय नियम, स्पेक्ट्रम की उपलब्धता, लाइसेंस और व्यावसायिक रणनीति भी इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारतीय उपभोक्ताओं पर क्या होगा असर?

सैटेलाइट इंटरनेट क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ने से दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट कनेक्टिविटी बेहतर होने की संभावनाएं हैं। यदि सेवाएं किफायती दरों पर उपलब्ध होती हैं, तो ग्रामीण क्षेत्रों, दुर्गम इलाकों और सीमित नेटवर्क वाले स्थानों के लोगों को फायदा मिल सकता है। दूसरी ओर, सेवाओं की वास्तविक कीमत, उपकरणों की लागत और नियामकीय शर्तें यह तय करेंगी कि आम उपभोक्ताओं तक इस तकनीक की पहुंच कितनी व्यापक होगी। निष्कर्ष: एलन मस्क और मुकेश अंबानी से जुड़ा यह विवाद केवल दो उद्योगपतियों के बीच प्रतिस्पर्धा का मामला नहीं है। यह भारत में सैटेलाइट इंटरनेट के भविष्य, स्पेक्ट्रम नीति और डिजिटल कनेक्टिविटी की दिशा से भी जुड़ा है।

रखते रहे हैं। इस बहस का सीधा असर भविष्य में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं की कीमत, बाजार में प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों को मिलने वाले विकल्पों पर पड़ सकता है।

मनोरंजन

जया बच्चन के सपोर्ट में आई तनीषा मुखर्जी, पैपराजी को दी उनसे दूर रहने की नसीहत

मुंबई। हर साल की तरह इस साल भी मुंबई में 'नॉर्थ बॉम्बे दुर्गा पूजा' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। दुर्गा पूजा के दौरान बॉलीवुड हस्तियां माता रानी का आशीर्वाद लेने आती हैं। हाल ही में काजोल की छोटी बहन और अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने पैप्स से अपील कि की वह दुर्गा पूजा के समय अभिनेत्री जया बच्चन को परेशान न करें। दुर्गा पूजा के एक इवेंट में मीडिया से बात करते हुए तनीषा ने कहा, 'मैं देख रही हूँ कि आप लोग जया आंटी को बहुत परेशान कर रहे हैं। मैं देखती हूँ कि आपके कुछ रिपोर्टर्स जानबूझकर उन्हें उकसाने की कोशिश करते हैं, तो मेरी आप सभी से रिक्वेस्ट है कि हमारी दुर्गा पूजा में ऐसा मत कीजिएगा।' तनीषा मुखर्जी ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'हमारी जया आंटी को परेशान मत कीजिए, ओके?' इतना ही नहीं, तनीषा ने भीड़ को लेकर भी लोगों से अपील की। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान पंडाल में लाखों लोग आते हैं, इसलिए धक्का-मुक्की न करें, एक-दूसरे का ख्याल रखें और थोड़ी शिष्टता और इंसानियत बनाए रखें। बता दें, जया बच्चन और पैपराजी के बीच की नोकझोंक अक्सर सुर्खियों में रहती है। जया कई बार पब्लिक में फोटो खींचने पर नाराजगी जता चुकी हैं। वहीं, जया बच्चन भी हर साल इस दुर्गा पूजा पंडाल में आती हैं और तनुजा मुखर्जी परिवार के साथ उनका काफी पुराना और करीबी रिश्ता है। पूजा का मुखर्जी परिवार में खास महत्व रखता है। नॉर्थ बॉम्बे साबोजनन दुर्गा पूजा मुंबई की सबसे पुरानी और भव्य पूजाओं में से एक है, जिसकी स्थापना 1948 में अभिनेत्री काजोल और निर्देशक अयान मुखर्जी के दादा पद्मश्री शशधर मुखर्जी और उनकी पत्नी श्रीमती सतीरानी मुखर्जी ने की थी। अयान मुखर्जी, अभिनेत्री काजोल और तनीषा मुखर्जी के चचेरे भाई हैं। अयान मुखर्जी के पिता (देव मुखर्जी) और काजोल के पिता (शोमू मुखर्जी) सगे भाई थे। पहली पूजा सांताक्रूज के श्री मंडल हॉल में हुई थी, तब से यह सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से और भी बड़ी होती चली गई। यह मुंबई के सबसे पुराने और भव्य दुर्गा पूजा आयोजनों में से एक है, जिसे पहले काजोल के चाचा और अयान मुखर्जी के पिता देव मुखर्जी संभालते थे। उनके निधन के बाद पूरा परिवार मिलकर इस परंपरा को आगे निभा रहा है।



जनसभाओं के जरिए सीईसी के इस्तीफे की मांग करना सही नहीं : वैकैया नायडू

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वैकैया नायडू ने शनिवार को कुछ राजनीतिक दलों की ओर से चुनाव आयोग की छवि खराब करने की कोशिशों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसी हरकतें न तो देश के हित में हैं और न ही लोकतंत्र की सेहत के लिए अच्छी हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब सीजेपी की ओर से शनिवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का दौर जारी है। इस विरोध प्रदर्शन का मकसद वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेसिव रिविजन' (एसआईआर) के दौरान वोटरो के नाम हटाने और कथित 'वोट चोरी' के आरोपों को उठाना भी है। वैकैया नायडू ने कहा, 'मुझे लगता है कि जिस तरह से कुछ लोग चुनाव आयोग की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, वह ठीक नहीं है और न ही यह देश या लोकतंत्र के हित में है। चुनाव आयोग एक वैधानिक संस्था है। चुनाव आयुक्त पर महाभियोग चलाने के जो भी तरीके और साधन हैं लेकिन उन पर आरोप लगाना, उन्हें बुरा-भला कहना, उनके नाम को विवादों में घसीटना और फिर सार्वजनिक रैलियों के जरिए उनके इस्तीफे की मांग करना उचित नहीं है।

बाराबंकी में चलती कार में आग, ड्राइवर जिंदा जला 4 घंटे जलता रहा, सिर्फ हड्डियां मिलीं, 4 महीने पहले खरीदी थी नई सीएनजी कार

अमृत उजाला संवाददाता

बाराबंकी। बाराबंकी में चलती कार में भीषण आग लग गई। हादसे में ड्राइवर की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसा रात 1:30 बजे हुआ। शनिवार सुबह 6 बजे लोगों ने जलती कार देखी तो भागकर मौके पर पहुंचे। कार की ड्राइविंग सीट के बगल में शरीर की हड्डियां जल रही थीं। पुलिस ने कार नंबर से ड्राइवर की पहचान की। मृतक का नाम प्रदीप कुमार (45) है। वह बाराबंकी के प्यारेपुर का रहने वाले थे। 4 महीने पहले ही टाटा टियागो की सीएनजी मॉडल कार खरीदी थी। फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। आग से कार जलकर राख हो गई। आग बुझाने के बाद कार में बची हड्डियों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। फॉरेंसिक टीम भी राख-हड्डियों को पॉलिथिन में पैक कर ले गई। प्रदीप कुमार लखनऊ एयरपोर्ट से सवारियों को बाराबंकी छोड़कर घर नोहरी का पुरवा मजरा डूडी लौट रहे थे। घर से 2 किमी पहले सफदरगंज थाना क्षेत्र में हादसा हुआ। घटनास्थल जिला मुख्यालय से 33 किमी दूर है। सैदनपुर के रहने वाले मदन कुमार वर्मा ने बताया- जहां हादसा हुआ। वहां से मेरा घर 400 मीटर दूर है। रात 1.30 बजे



तेज धमाके की आवाज आई थी, लेकिन ज्यादा कुछ समझ में नहीं आया। सुबह 6 बजे हम लोग टहलने निकले तो देखा कि कार जल रही थी। गेट अंदर से बंद थे। अंदर फंसा चालक पूरी तरह जल चुका था। कुछ हड्डियां ही जलती हुई मिलीं। हमने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सुबह जब लोग पहुंचे तो कार पूरी जल चुकी थी। आग करीब-करीब बुझ चुकी थी, सिर्फ कार के अगले हिस्से में कुछ हड्डियां जल रही थीं। पुलिस का मानना है कि आग करीब 4 घंटे पहले लगी थी। प्रदीप का शव ड्राइविंग सीट के बगल

वाली सीट में मिला। पुलिस को आशंका है कि आग लगने के बाद गेट लॉक हो गए। प्रदीप बचने के लिए दूसरी तरफ आए होंगे, लेकिन वह दरवाजा खोलकर बाहर नहीं निकल पाए। प्रदीप के पिता का नाम श्रीराम था। प्रदीप तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। दो छोटे भाई कुलदीप और लवकुश हैं। लवकुश भाजपा में मंडल उपाध्यक्ष हैं। प्रदीप के माता-पिता की मौत हो चुकी है। परिवार में पत्नी राधा के अलावा दो बेटियां नेहा और उमा, दो बेटे सुकेश और शिवा वर्मा हैं। दोनों बेटियों और बेटे सुकेश की शादी हो चुकी है। वह

मूलपुर से सिरौली गौसपुर तहसील के नोहरी पुरवा मजरा डूडी के रहने वाले थे। प्रदीप के छोटे भाई दरियाबाद से भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष लवकुश वर्मा ने बताया- वो हमारे बड़े भाई थे। घर के मुखिया थे। मैं उन्हें आखिरी बार देख भी नहीं पाया। भाभी ने बताया कि शाम को 4 बजे ही उनसे बात हुई थी। कहा था- आप लोग खाना खाकर सो जाना। मुझे आने में देर हो जाएगी। भाई ने भाभी के नाम पर गाड़ी खरीदी थी। ये गाड़ी स्वास्थ्य विभाग में चलाते थे। कभी-कभी एयरपोर्ट की तरफ से निकलते समय सवारियां बिठा लेते थे। कल रात को लखनऊ एयरपोर्ट से सवारियां लेकर बाराबंकी में छोड़ी थी। पत्नी राधा मौके पर पहुंचीं तो कार में जलती हड्डियां देख चीख पड़ीं। वह पति की लाश देखने की जिद करते-करते बेहोश हो गईं। परिवार ने उसे मुश्किल से शांत कराया। सफदरगंज कोतवाल अजय प्रकाश त्रिपाठी ने बताया- आग बुझाने के बाद कार के गेट खोले गए। अंदर से जली हुई हड्डियां मिलीं। शुरुआती जांच में ऐसा लग रहा है कि आग लगने के बाद सभी गेट लॉक हो गए। जिसके चलते प्रदीप ने बगल वाली सीट से निकलने की कोशिश की। लेकिन वो गेट नहीं खोल सके। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जांच की है।